

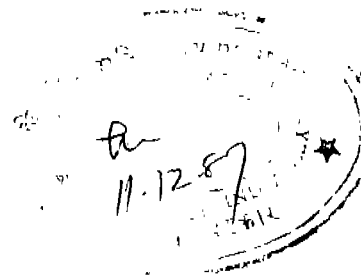


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 476]
No. 476]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 17, 1987/भाद्रपद 26, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 17, 1987/BHADRA 26, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1987

अधिसूचना

सा. का नि. 794 (अ).—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के
अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न-
लिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

भाग —I साधारण

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय सामाजिक और
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क "समूह क" (भर्ती) नियम, 1987 है।

(ii) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2 परिभाषाएं

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:

(क) "आयोग" से मंडल लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है।

(ख), "नियंत्रण प्राधिकारी" से भारत सरकार का वित्त मंत्रालय
अभिप्रेत है।

(ग) "विभागीय प्रोन्नति समिति" से अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट सेवा
की किसी श्रेणी में प्रोन्नतियों और पुष्टियों पर विचार करने के लिए
गठित कोई समिति अभिप्रेत है और ऐसी समिति की संरचना अनुसूची 2
में विनिर्दिष्ट रूप में होगी।

(i) इन नियमों की प्रारंभ की तारीख को अनुसूची 1 में
विनिर्दिष्ट; या

(ii) सेवा में संलग्न और सेवा के प्रारम्भिक गठन के पश्चात्
अनुसूची 1 में सम्मिलित पद ऐसे संवर्गीकरण की तारीख को
धारण करता है या ऐसे पदों पर धारणाधिकार रखता है।

(घ) "परीक्षा" से सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है जिसमें
सेवा में भर्ती के लिए आयोग द्वारा संचालित प्रारम्भिक परीक्षा या मुख्य
परीक्षा अथवा ऐसी अन्य सेवा या सेवाएं हैं, जो आयोग द्वारा
समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं।

(ङ) सरकार से भारत सरकार अभिप्रेत है।

(च) "श्रेणी" से अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट सेवा की श्रेणी अभिप्रेत है।

(छ) "पद" से नियम 4 के अधीन विनिर्दिष्ट कोई पद, जो चाहे
स्थायी हो या अस्थायी, अभिप्रेत है।

(ज) "नियमित सेवा" से किसी श्रेणी के संबंध में उस श्रेणी में कोई अवधि नियुक्ति के लिए विहित प्रक्रिया के अनुसार उस श्रेणी में चयन के पश्चात् की गई सेवा की अवधि या अवधियों अभिप्रेत है और इनके अन्तर्गत कोई ऐसी अवधि या अवधियां भी है जो,—

(i) सेवा के प्रारम्भिक गठन पर इन नियुक्तियों की दशा में ज्येष्ठता के परियोजन के लिए हिसाब में ली गई हों;

(ii) जिनके दौरान किसी अधिकारी ने उस श्रेणी में पद धारण किया होता किन्तु छुट्टी पर होने के कारण या अन्यथा ऐसा पद धारण करने के लिए उपलब्ध न होने के कारण धारण नहीं किया है।

(झ) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

(ञ) "अनुसूचित जातियों" और "अनुसूचित जनजातियों" का क्रमण वही अर्थ होगा जो उनका संविधान के अनुच्छेद 366 के खंड (24) और खंड (25) में है।

(ट) "सेवा" से भारतीय सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समूह "क" सेवा अभिप्रेत है।

(ठ) "विभागीय प्रोन्नति समिति" से किसी श्रेणी में प्रोन्नतियों और पुष्टियों पर विचार करने के लिए गठित समिति अभिप्रेत है जिसकी संरचना अनुसूची 3 में उपदर्शित रूप में होगी।

3. सेवा का गठन

(1) सेवा निम्नलिखित व्यक्तियों से मिलकर बनेगी, अर्थात्:—

(क) भारतीय सीमा-शुल्क के सदस्य, जो 15 अगस्त, 1959 के पूर्व उस सेवा में नियुक्त किए गए हों;

(ख) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रेणी-1 के सदस्य, जो 15 अगस्त, 1959 के पूर्व उस सेवा में नियुक्त किए गए हों;

(ग) ऐसे व्यक्ति जो 15 अगस्त, 1959 के पश्चात् और इन नियमों के प्रारम्भ के पूर्व उस सेवा में नियुक्त किए गए थे; और

(घ) ऐसे व्यक्ति, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार सेवा में भर्ती किए गए हों।

(2) सेवा का संवर्ग वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

4. सेवा में सम्मिलित पदों की श्रेणियां, संख्याएं और वेतनमान

(1) सेवा में सम्मिलित पदों की श्रेणियां, संख्याएं और वेतनांक अनुसूची (i) में विनिर्दिष्ट रूप में होंगे।

(2) सरकार आयोग के परामर्श से उन पदों को विनिर्दिष्ट कर सकेगी, जो सेवा की किसी श्रेणी में सम्मिलित होंगे।

(3) सरकार, समय-समय पर, कार्यभार का ध्यान रखते हुए प्रस्थायी रूप से सेवा की किसी श्रेणी में किसी पद को सम्मिलित कर सकेगी।

भाग-II भर्ती की पद्धति

भर्ती की पद्धति

5. (1) सेवा में भर्ती की पद्धति और सेवा की कल्पित श्रेणियों में भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता निम्नलिखित पद्धतियों द्वारा की जाएगी, अर्थात्:—

(क) इन नियमों के भाग 3 के उपबंधों के अनुसार परीक्षा द्वारा;

(ख) इन नियमों के भाग 4 के उपबंधों के अनुसार प्रोन्नति द्वारा;

2. सेवा की श्रेणी 6 में रिक्तियां निम्नलिखित पद्धतियों द्वारा की जाएगी, अर्थात्:—

(i) 50 प्रतिशत रिक्तियां सीधे भर्ती द्वारा इन नियमों के भाग 3 के उपबंधों के अनुसार आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली खुली प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से, और

(ii) 50 प्रतिशत रिक्तियां इन नियमों के भाग 4 के उपबंधों के अनुसार प्रोन्नति द्वारा।

3. उक्त उपनियम (i) और (ii) में अस्तिविष्ट उपबंधों के होते हुए भी, सरकार किसी भी श्रेणी में, जब अन्य श्रोतों से ऐसा अपेक्षित हो, आयोग के परामर्श करके अवधारित किए जाने वाले उचित और पर्याप्त कारणों से विमोप अर्हता/विमोपता अनुभव रखने वाले व्यक्तियों को भर्ती कर सकेगी।

परन्तु जब ऐसी भर्ती सेवा की श्रेणी 6 में की गई हो, इस प्रकार भर्ती किए गए व्यक्तियों की संख्या सीधे भर्ती द्वारा भरे जाने वाले व्यक्तियों की प्रतिशतता के अनुसार होगी।

भाग III प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा भर्ती

6. परीक्षा आयोजित करना :

(i) सेवा की श्रेणी 6 में सीधी भर्ती के लिए प्रतियोगिता परीक्षा ऐसे समय और स्थानों पर और ऐसी रीति से, जो इस प्रयोजन के लिए आयोग द्वारा जारी की गई सूचना में विनिर्दिष्ट की जाए, आयोजित की जाएगी।

2. प्रत्येक ऐसी सूचना, यावत् संभव, परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या विनिर्दिष्ट करेगी।

7. सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा : यदि इस भाग के अधीन ली जाने वाली परीक्षा एक से अधिक सेवा या पदों के लिए नियुक्तियां करने के प्रयोजन के लिए सम्मिलित परीक्षा है, जो निम्नलिखित उपबंध लागू होंगे, अर्थात्:—

(क) कोई भी व्यक्ति सभी या किसी भी सेवा या पद सू लिए, जिसके लिए वह अर्ह है, नियुक्ति के लिए, अभ्यर्थी के रूप में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकेगा। यदि वह चाहता है कि एक या अधिक सेवाओं अथवा पदों पर नियुक्ति के लिए उस पर विचार किया जाए तो वह अपने आवेदन प्रारूप में उन सेवाओं के और पदों के नाम कथित करेगा जिनके लिए वह चाहता है कि उस पर विचार किया जाए, केवल एक आवेदन, प्रारूप सबके लिए आवश्यक होगा और नियम 12 में विनिर्दिष्ट फीस का संघात करना पर्याप्त होगा।

(ख) भारत सरकार का कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग सभी परिस्थितियों पर, जिनके अन्तर्गत अभ्यर्थियों द्वारा प्रकट किया गया व्यक्तिगत अधिमान भी होगा, प्रत्येक सेवा करेगा या पद के लिए सफल अभ्यर्थियों को समनुदेशित करेगा।

8. परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन : कोई अभ्यर्थी ऐसी तारीख के पूर्व परीक्षा में प्रवेश के लिए ऐसी रीति से और ऐसे प्रथम में, जो आयोग विनिर्दिष्ट करे, आवेदन करेगा।

9. राष्ट्रियता : अभ्यर्थी अवश्य ही भारत का नागरिक होना चाहिए या वह ऐसे किसी वर्ग प्रवर्ग का व्यक्ति होना चाहिए, जो समय-समय पर, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाए।

10. आयु और शैक्षणिक अर्हताएं : सेवा की श्रेणी VI में परीक्षा के परिणामों के आधार पर पदों पर सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक अर्हताएं और आयु सीमा यह होगी, जो अनुसूची-3 में विनिर्दिष्ट की गई हों।

11. परीक्षा में प्रयास : कोई भी अभ्यर्थी जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से नहीं है या जो भारत सरकार के कामिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए गए विनिर्दिष्ट अवसरों में से किसी में नहीं आता है, परीक्षा में तीन बार से अधिक प्रतियोगिता करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया।

12. फीस : अभ्यर्थी आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट फीस का संदाय करेगा जब तक कि उसे छूट न दी गई हो या भारत सरकार के कामिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा समय-समय पर अधिसूचित छूट और रियायतों के अनुसार उसे रियायत नहीं दी गई हो।

13. आयोग का विनिश्चय अन्तिम होना : परीक्षा में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की पात्रता के बारे में या अन्यथा आयोग का विनिश्चय अन्तिम होगा और किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को, जिसको प्रवेश का प्रमाणपत्र आयोग द्वारा नहीं दिया गया है, परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

14. अवचार के लिए शास्ति : कोई अभ्यर्थी, जो आयोग द्वारा निम्नलिखित का बोधी घोषित किया गया है, या रहा है :—

- (i) अपनी अभ्यर्थिता के लिए किसी साधन द्वारा समर्थन प्राप्त करना, या
- (ii) प्रतिस्पर्ध, या
- (iii) किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिस्पर्ध करवाना, या
- (iv) गृहे हुए दस्तावेज या ऐसे दस्तावेज, जिनके साथ छोट-छाड़ की गई है, प्रस्तुत करना,
- (v) ऐसा कथन करना जो गलत या मिथ्या हो, या तात्त्विक सूचना को बढाता हो, या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी अभ्यर्थिता के संबंध में किसी अन्य अनियमित या अनुचित साधन का आश्रय आसरा लेना, या
- (vii) परीक्षा हल में अनुचित साधनों का प्रयोग करना, या
- (viii) परीक्षा हल में कबाचार करना, या
- (ix) पूर्वगामी खंडों में विनिर्दिष्ट सभी या किसी कार्य को यथा-स्थिति करने का प्रयास करना या उसका दुष्प्रेषण करना स्वयं को वांछिक अभियोजन के लिए दायी बनाने के प्रति-रिक्त निम्नलिखित का भी दायी होगा।
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा के लिए, जि के लिए वह अभ्यर्थी है, अनर्हित किया जाना ; या

(ख) स्थायी रूप से अथवा विनिर्दिष्ट अवधि के लिए :—

(i) आयोग द्वारा उसके द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा या चयन से,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी नियोजन से विवर्जित किया जाना ; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकार के अधीन सेवा में है तो समुचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही करना।

15. सफल अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना :—(1) प्रत्येक परीक्षा के पश्चात् आयोग द्वारा अभ्यर्थियों के नाम प्रत्येक अभ्यर्थी को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों द्वारा प्रकट किए गए गुणानुष के क्रम में व्यवस्थित किए जाएंगे और उस क्रम में इतने अभ्यर्थियों की, जो आयोग द्वारा परीक्षा तथा साक्षात्कार के आधार पर अर्हित पाए जाते हैं, परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने के लिए विनिश्चित की गई अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्तियों के लिए सिफारिश की जाएगी।

2. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की, उस सीमा तक जहां तक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या स्थापना मानक के आधार पर भरी नहीं जा सकती है, आयोग द्वारा शिथिल मानक द्वारा आरक्षित कोटा में कमी पुरो करने के लिए लिए सेवा में नियुक्ति के लिए इन अभ्यर्थियों के उपयुक्त होने के अधीन होते हुए सिफारिश की जा सकेंगी।

3. यदि ऐसे अभ्यर्थी, जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के सदस्य हैं, इस प्रकार आरक्षित सभी रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध नहीं है, तो इस प्रकार भरी नहीं गई रिक्तियों को ऐसे अभ्यर्थियों की, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजातियों के नहीं हैं, जो सेवा के लिए आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट मानक के अनुसार अर्हित हैं, नियुक्ति करके भरी जाएगी और अतिरिक्त रिक्तियों की समतुल्य संख्या अगली परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने के लिए ऐसे अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की जाएगी जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजातियों के हों।

4. यदि परीक्षा में अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उनके लिए आरक्षित सभी रिक्तियों को, जिनमें उपनियम (3) के अधीन अग्रणी की गई रिक्तियां सम्मिलित उपलब्ध नहीं हैं तो इस प्रकार बिना भरी गई शेष रिक्तियों को ऐसे अभ्यर्थियों को जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजातियों के नहीं हैं, जो सेवा के लिए आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट मानक के अनुसार अर्हित हैं, नियुक्त करके भरी जाएगी। रिक्तियों की समतुल्य संख्या अगली परीक्षा के लिए अग्रणी की जाएगी।

5. उप-पैरा (3) और उक्त उपनियम (4) में अन्तर्निहित किसी काम के होते हुए भी, अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित कोई रिक्ति परीक्षा के एक वर्ष तक :—

(क) ऐसी सीमा तक तक अग्रणी नहीं की जाएगी कि ऐसे अभ्यर्थियों के लिए, जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं, आरक्षित रिक्तियों के साथ इस प्रकार अग्रणी की गई रिक्तियों की कुल संख्या उस वर्ष में कुल रिक्तियों के 50 प्रतिशत से अधिक हो जाए ; या

(ख) यदि ऐसी रिक्तियाँ जो लगातार घटती हैं, तीन वर्षों की अवधि के लिए बिना भरी रह जाती हैं :

परन्तु यह कि तीसरे वर्ष में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियाँ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों द्वारा क्रमशः भरी जाएंगी, यदि संबंधित समुदाय के अभ्यर्थी उपलब्ध न हों।

16. चरित्र आदि की जांच :—सफल अभ्यर्थियों की सूची में किसी अभ्यर्थी के नाम का सम्मिलित किया जाता निम्नलिखित के लिए किसी अधिकार को प्रदान नहीं करता है जब तक कि सरकार का ऐसी जांच करने के पश्चात् जो आवश्यक समझी जाए, यह समाधान नहीं हो जाता है कि अभ्यर्थी सेवा में नियुक्ति के लिए उसके चरित्र और उसके पूर्ववृत्तों को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार से उपयुक्त है।

17. शारीरिक परीक्षा :—(1) कोई भी ऐसा उम्मीदवार, जो सेवा शारीरिक परीक्षा के पश्चात्, जो सरकार विहित करे, शारीरिक रूप में स्वस्थ और किसी ऐसी मानसिक या शारीरिक कमी से, जिससे सेवा के कर्तव्यों के निर्वहन में बिधन उत्पन्न होने की संभावना हो, मुक्त नहीं पाया जाता है, सेवा में नियुक्त नहीं किया जाएगा।

(2) इस तथ्य से कि किसी उम्मीदवार की शारीरिक परीक्षा कर ली गई है न तो यह अर्थ निकाला जाएगा और न यह विवक्षा की जाएगी कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया जाएगा।

18. (1) सेवा की श्रेणी VI में प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति-भाग IV--प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति :—

नियम 5 के उपनियम 2 (ii) के अधीन सेवा की श्रेणी 6 में प्रोन्नति द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों पर नियुक्ति केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, सीमा-शुल्क और स्वापक पदार्थ विभागों में समूह "ख" के ऐसे अधिकारियों के निम्नलिखित प्रवर्गों में से प्रोन्नति द्वारा की जाएगी जिन्होंने समूह "ख" पर्वों पर तीन वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर ली है।

(क) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधीक्षक और स्वापक पदार्थ विभाग में जिला अफीम अधिकारी या आसूचना अधिकारी या अधीक्षक (कार्यपालक)।

(ख) सीमा शुल्क विभाग में सीमा-शुल्क मूल्य निरूपक।

(ग) सीमा-शुल्क विभाग में सीमा-शुल्क अधीक्षक निवारक

18 (2). (क) प्रोन्नति द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों ऊपर उप-नियम (1) में उल्लिखित अधिकारियों के समूह "ख" के तीन प्रवर्गों की सामान्य ज्येष्ठता सूची के अनुसार भरी जाएगी। (ख) समूह "क" में प्रोन्नति हेतु पात्रता के लिए सेवा के समूह "ख" में पोषक प्रवर्गों के अधिकारियों की ज्येष्ठता उनके अपने अपने समूह "ख" प्रवर्गों में नियमित सेवा काल के आधार पर अवधारित की जाएगी परन्तु ऐसा इस शर्त के साथ होगा कि सेवा के प्रत्येक पोषक प्रवर्ग की परस्पर ज्येष्ठता बनाई रखी जाएगी।

3 (क) प्रोन्नति गुणागुण के आधार पर चयन के सिद्धान्त के अनुसार की जाएगी।

(ख) श्रेणी-6 में प्रोन्नति करने समय आयोग से परामर्श किया जाएगा।

19. सेवा की श्रेणी-5 में नियुक्ति :—(1) सेवा की श्रेणी-5 में रिक्तियों पर नियुक्ति सेवा की श्रेणी-6 में अधिकारियों की उनकी ज्येष्ठता क्रमानुसार प्रोन्नति द्वारा की जाएगी किन्तु अयोग्य व्यक्तियों को नहीं लिया जाएगा।

2. सेवा की श्रेणी-5 में नियमित प्रोन्नति के लिए इन नियमों के उपबंधों के अनुसार सेवा की श्रेणी-6 में प्रोन्नति और सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किए गए अधिकारियों के मामलों पर उनकी ज्येष्ठता क्रमानुसार

श्रीर श्रेणी-6 में चार वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने के पश्चात् विचार किया जाएगा। परन्तु सेवा की श्रेणी-6 में नियुक्ति किसी अधिकारी के मामले पर सेवा की श्रेणी -5 में प्रोन्नति के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसमें सफलतापूर्वक परीक्षा अवधि पूरी न कर ली हो।

20. सेवा की श्रेणी-4 में नियुक्ति :

1. सेवा की श्रेणी-4 में नियुक्ति सेवा की श्रेणी-5 के अधिकारियों के गुणागुण के आधार पर चयन के सिद्धान्त के अनुसार प्रोन्नति द्वारा की जाएगी।

(2) ऐसे अधिकारी जिनकी श्रेणी-5 में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा हो और ऐसे अधिकारी न होने की दशा में वे अधिकारी जिन्होंने श्रेणी-5 और 6 दोनों में मिलाकर 9 वर्ष की सेवा की हो श्रेणी-4 में प्रोन्नति के पात्र होंगे।

21. सेवा की श्रेणी-3 में नियुक्ति :

सेवा की श्रेणी-3 में, जो सेवा की श्रेणी-4 में अप्रकार्य चयन श्रेणी है नियुक्ति ज्येष्ठता के आधार पर प्रोन्नति द्वारा की जाएगी किन्तु अयोग्य व्यक्तियों को नहीं लिया जाएगा।

परन्तु कोई भी अधिकारी सेवा की श्रेणी-3 में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह श्रेणी-4 के वर्तमान की अधिकतम सीमा तक नहीं पहुंच जाता है और उसमें दो वर्ष तक की अवधि तक नहीं रहता है और इसके साथ-साथ यह भी कि श्रेणी-4 में अधिकारियों की परस्पर ज्येष्ठता में उनकी अप्रकार्य चयन श्रेणी में नियुक्ति के फल-स्वरूप कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

22. सेवा की श्रेणी-2 में नियुक्ति :—(1) सेवा की श्रेणी-2 में नियुक्ति सेवा की श्रेणी-3 और 4 में अधिकारियों के गुणागुण के आधार पर चयन के सिद्धान्त के अनुसार प्रोन्नति द्वारा की जाएगी। (2) ऐसे अधिकारी जिन्होंने श्रेणी-4 और श्रेणी-3 दोनों में मिलाकर कम से कम 7 वर्ष की सेवा की हो और ऐसे अधिकारी न होने की दशा में समूह "क" के सरकारी पद पर 16 वर्ष की नियमित सेवा करने वाले अधिकारी सेवा की श्रेणी-2 में प्रोन्नति के पात्र होंगे।

23. सेवा की श्रेणी-1 में नियुक्ति :—सेवा की श्रेणी-1 में नियुक्ति सेवा की श्रेणी-2 के अधिकारियों के गुणागुण के आधार पर चयन के सिद्धान्त के अनुसार प्रोन्नति द्वारा की जाएगी।

24. प्रोन्नति के लिए विचार करने समय ज्येष्ठ व्यक्ति को अवज्ञा न किया जाना, यदि कनिष्ठ व्यक्ति के मामले पर विचार किया जाता है :—

परन्तु सेवा की सभी श्रेणियों में प्रोन्नति के मामले में, यदि प्रोन्नति के लिए किसी कनिष्ठ अधिकारी के मामले पर विचार किया जाता है तो उस से ज्येष्ठ प्रत्येक व्यक्ति के मामले पर इस बात के होते हुए भी कि उसने अपेक्षित अर्हता सेवा पूरी नहीं की है प्रोन्नति के लिए विचार किया जाएगा।

25. विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर नियुक्ति :—इन नियमों के नियम 19 से 24 तक में यथा-उल्लिखित सेवा की अनेक श्रेणियों में प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर की जाएगी। विभागीय प्रोन्नति समिति अनुसूची (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों से मिलकर बनेगी।

भाग-5--अप्रकीर्ण

26. परीक्षा और पुष्टि :—(1) (क) इन नियमों के भाग-4 के अनुसार प्रोन्नति द्वारा सेवा की श्रेणी-6 में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन रहेंगे।

(ख) यदि किसी अधिकारी का कार्य या आचरण या दोनों समाधान-प्रद नहीं पाए जाते हैं तो उन्हें उस पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया जाएगा जिससे उन्हें प्रोन्नत किया गया था।

(2) इन नियमों के भाग-3 के उपबंधों के अनुसार सीधी भर्ती द्वारा सेवा की श्रेणी-6 में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन रहेगा, जिसे सरकार किसी व्यक्तिगत मामले में बढ़ा सकती,

परन्तु आपवाकिक परिस्थितियों के सिवाय परीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी और किसी भी व्यक्ति को सामान्य परीक्षा अवधि से दुगुनी अवधि से अधिक परीक्षाधीन नहीं रखा जाएगा।

(3) सरकार सेवा की श्रेणी-6 में नियुक्त किसी भी व्यक्ति से यह अपेक्षा कर सकेगी कि वह परीक्षा अवधि के दौरान ऐसा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम करे और ऐसी परीक्षा और प्रशिक्षण पास करे जो वह परीक्षा की समाधानप्रद पूर्ति के लिए शर्त के रूप में विनिश्चित करना उचित समझे।

(4) यदि इस नियम के उप-नियम (2) में यथा-विनिश्चित परीक्षा अवधि के दौरान या उसकी समाप्ति पर सरकार की यह राय हो कि वह व्यक्ति सेवा में स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है तो सरकार उसकी सेवा समाप्त कर सकेगी या उसे उस पद पर, यदि कोई हो, प्रत्यावर्तित कर सकेगी जिस पर उसकी धारणाधिकार है या ऐसे आदेश पारित कर सकेगी जो वह उचित समझे।

(5) सरकार के समाधानप्रद रूप में परीक्षा की अवधि समाप्त होने पर यदि ऐसे व्यक्ति को सेवा में स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य समझा जाता है तो उसे इस प्रकार नियुक्त कर दिया जाएगा परन्तु ऐसा तब किया जाएगा जब उस श्रेणी में स्थायी रिक्तियाँ उपलब्ध हों।

(6) ऐसे व्यक्तियों के मामले पर, जिन्हें इस नियमों के प्रवृत्त होने से पूर्व सेवा में किसी पद पर स्थानापन्न या स्थायी हैसियत में परीक्षा पर नियुक्त किया गया है, इन नियमों के प्रारंभ पर उनके द्वारा धारित पद पर स्थायी नियुक्ति के लिए उनकी उस पद पर परम्पर ज्येष्ठता क्रम में, जो इन नियमों के अनुसार अवधारित की गई हो, इस बात पर कोई ध्यान दिए बिना कि स्थायी रिक्ति इन नियमों के प्रारंभ से पूर्व हुई थी या इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात् की किसी तारीख पर हुई है, विचार किया जाएगा।

27. ज्येष्ठता :—(1) इन नियमों के प्रारंभ से पूर्व इस सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की श्रेणी में परम्पर ज्येष्ठता भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के पत्र सं. 23020/8/83-प्रशा-2, तारीख 12 जुलाई, 1984 के अधीन परिचालित सूची के अनुसार होगी।

(2) इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात् सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की परम्पर ज्येष्ठता समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले सरकारी कर्मचारियों की ज्येष्ठता का विनियमन करने वाले माध्यम आदेशों के अनुसार अवधारित की जाएगी।

28. अवशिष्टीय मामले :—ऐसे मामलों में जो विनिश्चित रूप से इन नियमों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, सेवा के सदस्य केन्द्रीय सिविल सेवा को सामान्य रूप से लागू होने वाले नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

29. निरवृत्तापः :—ऐसा व्यक्ति उक्त पदों में से किसी पर भी नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :—

(क) जिसने किसी ऐसे पुरुष या स्त्री से विवाह कर लिया है जिसका पति या पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवित होने हुए भी किसी अन्य पुरुष या स्त्री के विवाह कर लिया है।

परन्तु सरकार यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इन नियमों के प्रवृत्त से छूट दे सकेगी।

30. स्थानान्तरण के लिए वायित्वाधीन :—सेवा के अधिकारियों को भारत में या भारत से बाहर किसी भी अगह स्थानास्थित किया जा सकेगा।

31. कतिपय आदेश जारी करने की शक्ति :—सरकार ऐसे सभी मामलों के बारे में उपबंध करने के लिए जिसके लिए उपबंध करना इन नियमों की प्रभावी बनाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक या समीचीन है, ऐसे विनियम बना सकेगी और ऐसे आदेश पारित कर सकेगी जो इन नियमों से अस्मृत न हों।

32. कठिनाईयों का निराकरण :—सरकार, समय-समय पर ऐसे साधारण या विनिश्चित आदेश जारी कर सकेगी जो इन नियमों के उपबंधों से किसी के प्रवृत्त में निराकरण को दूर करने के लिए आवश्यक हों।

33. निर्वचन :—जहाँ इन नियमों के किसी भी उपबंध के निर्वचन के बावत कोई शंका हो वहाँ मामला सरकार को निर्देशित किया जाएगा और सरकार उसका विनिश्चय करेगी।

34. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह उन कारणों के आधार पर, जो अभिलिखित किए जाएंगे, आयोग से परामर्श करने के पश्चात् व्यक्तियों के किसी भी वर्ग या प्रवर्ग की बाबत इन नियमों के किसी भी उपबंध को आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

35. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात, सरकार द्वारा समय-समय पर इस संबंध में जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों को दिए जाने के लिए अपेक्षित आरक्षण और अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी।

(आर.आर. भारती)

अवर सचिव, भारत सरकार

घनसूची--I

[नियम 4 का उपनियम (1) देखिए]

सेवा में सम्मिलित पदों की श्रेणियाँ, संख्याएँ और वेतनमान

क्र. सं.	पद की श्रेणी	पदों की संख्या	वेतनमान (पूर्व पुनरीक्षित)
1.	श्रेणी--I [(ज्येष्ठ प्रशा. श्रेणी स्तर-I)]	35	र. 2500-125/2-2750
2.	श्रेणी-II (ज्येष्ठ प्रशा. श्रेणी स्तर-II)	37	र. 2250-125/2-2500

2	3	4
3. श्रेणी III (गैर-प्रकार्यात्मक कनिष्ठ प्रशा. श्रेणी की चयन श्रेणी) }	231	रु. 2000-125/2-2250
4. श्रेणी-IV (कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी)		रु. 1500-60-1800-100-2000
5. श्रेणी-V (ज्येष्ठ समयमान)	630	रु. 1100-50-1600
6. श्रेणी-VI (कनिष्ठ समयमान)	116	रु. 700-40-900-रु. रो.-40-1100-50-1300
(i) प्रतिनियुक्ति रिजर्व	40	रु. 700-40-900-रु. रो.-40-1100-50-1300
(ii) छुट्टी रिजर्व	41	रु. 700-40-900-रु. रो.-40-1150-50-1300
(iii) प्रशिक्षण रिजर्व	30	रु. 700-40-900-रु. रो.-40-1100-50-1300
(iv) परीक्षा रिजर्व	100	रु. 700-40-900-रु. रो.-40-1100-50-1600

[मं. 281/एफ. सं. क-12018/5/75—ए. डी.—II]

अनुसूची—III

[नियम 2 के उपनियम (इ) के नियम 25 देखिए]

भारतीय सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सेवा में सम्मिलित समूह "क" पदों पर प्रोन्नति और पुष्टि के मामलों पर विचार करने के लिए समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति की संरचना

क. सं. पद का नाम	प्रोन्नति पर विचार करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति	पुष्टि पर विचार करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति
1. श्रेणी—I	1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग 2. सचिव (राजस्व) 3. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड 4. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड	—अध्यक्ष 1. सचिव, राजस्व —सदस्य 2. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 3. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 4. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड
2. श्रेणी—II	1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग 2. सचिव (राजस्व) 3. अध्यक्ष (के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड)	—अध्यक्ष 1. सचिव (राजस्व) —सदस्य 2. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 3. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड
3. श्रेणी—III	1. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड 2. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड	—अध्यक्ष 1. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 2. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड
4. श्रेणी—IV	1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग 2. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड 3. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड	—अध्यक्ष 1. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 2. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 3. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड
5. श्रेणी—V	1. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड 2. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड	—अध्यक्ष 1. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 2. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड
6. श्रेणी—VI	1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग 2. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड 3. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड	—अध्यक्ष 1. अध्यक्ष, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 2. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड —सदस्य 3. दो सदस्य, के. उ. शु. और सी. शु. बोर्ड

टिप्पणी—1 आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य से भिन्न किसी सदस्य की अनुपस्थिति में समिति की कार्यवाहियां, यदि विभागीय प्रोन्नति समिति से आगे से अधिक सदस्य बैठक में हाजिर थे तो विधिमाम्य नहीं होगी।

टिप्पणी—2 पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां आयोग के अनुमोदन के लिए भेजी जाएंगी तथापि यदि उनका आयोग द्वारा अनुमोदन नहीं किया जाता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक, जिसकी अध्यक्षता संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष या कोई सदस्य करेगा, पुनः की जाएगी।

अध्यक्ष..... द्वारा नाम निर्देशित किए जाएंगे।

प्रसूची-III

(नियम 10 देखिए)

प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर सेवा की श्रेणी छः में वर्गों पर सीधी भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक अर्हताएं और आयु-सीमा

1. अभ्यर्थी के पास भारत में केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय या संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय समझे जाने के लिए घोषित अन्य शैक्षणिक संस्थानों की या समय-समय पर सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विदेशी विश्वविद्यालय की उपाधि होनी चाहिए या वह ऐसे अर्हता रखता हो जो परीक्षा में प्रवेश के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो।

टिप्पणी-1 :—अपवादवाचक मामलों में संघ लोक सेवा आयोग किसी ऐसे अभ्यर्थी को, जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई नहीं है, अर्हित अभ्यर्थी मान सकता है परन्तु यह तब जबकि उसने ऐसे अन्य संस्थानों द्वारा संचालित परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों जिनका मानक, आयोग की राय में परीक्षा में प्रवेश के लिए पर्याप्त ठहराता हो।

टिप्पणी-2 :—वृत्तिक और तकनीकी अर्हताएं रखने वाले ऐसे अभ्यर्थी, जिन्हें सरकार द्वारा वृत्तिक और तकनीकी उपाधियों के समतुल्य रूप में मान्यता प्राप्त है, परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

2. अभ्यर्थी 21 वर्ष की आयु का होना चाहिए किन्तु उसकी आयु उस वर्ष के जिसमें परीक्षा ली जाती है। अगस्त के पहले दिन को 26 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

[म. 281/एफ. न. क-12018/5/75-ए. डी.—II]

भार. भार. भारती, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 17th September, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 794(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, namely :—

PART I—GENERAL

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Customs and Central Excise Service Group 'A' Rules, 1987.

(2) These rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Commission" means the Union Public Service Commission;

(b) "Controlling Authority" means the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue);

(c) "Departmental Promotion Committee" means a Committee constituted to consider promotions and confirmations in any Grade of the Service specified in Schedule I and the composition of such Committee shall be as specified in Schedule II.

(d) "Examination" means a combined competitive examination consisting of a preliminary examination and a main examination conducted by the Commission for recruitment to the Service or such other service or services as may be specified by the Commission from time to time;

(e) "Government" means the Government of India;

(f) "Grade" means a Grade of the Service specified in Schedule I;

(g) "post" means any post, whether permanent or temporary specified under rule 4;

(h) "regular service", in relation to any Grade, means the period or periods of service in that Grade rendered after selection according to the prescribed procedure for long term appointment to that Grade and includes any period or periods.—

(i) taken into account for purpose of seniority in the case of those appointed at the initial constitution of the Service;

(ii) during which an officer would have held a post in that Grade but for being on leave or otherwise not being available for holding such posts;

(i) "Schedule" means a Schedule to these rules;

(j) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall have the same meaning as assigned to them respectively in clauses (24) and (25) of article 366 of the Constitution;

(k) "Service" means the Indian Customs and Central Excise Service Group 'A'.

3. Constitution of the Service.—(1) The Service shall consist of the following persons, namely :—

(a) members of the Indian Customs Service appointed to that service before the 15th August, 1959;

(b) members of the Central Excise Service, Class I appointed to that service before the 15th August, 1959;

(c) persons who were appointed to the Service after the 15th August, 1959 and before the commencement of these rules; and

(d) persons recruited to the Service in accordance with the provisions of these rules.

(2) The cadre of the Service shall be controlled by the Controlling Authority.

4. Grades, numbers and scales of pay of the posts included in the Service.—(1) The Grades, numbers and scales of pay of the posts included in the Service shall be as specified in Schedule I.

(2) The Government may, in consultation with the Commission, specify the posts which shall be included in any Grade of the Service.

(3) The Government may having regard to the work load, from time to time, temporarily include any post in any Grade of the Service.

(4) The Government may, in consultation with the Commission, appoint an officer whose post is included in the Service under sub-rule (3) of this rule, to the appropriate Grade of the Service in the temporary capacity or in a substantive capacity, as may be deemed fit, and fix his seniority in the Grade after taking into account continuous service in the analogous grade.

PART II—METHODS OF RECRUITMENT

5. Methods of recruitment to the Service and percentage of vacancies to be filled in certain grades of the Service.—(1) Recruitment to the Service shall be made by the following methods, namely :—

(a) by examination, in accordance with the provisions in Part III of these rules ;

(b) by promotion in accordance with the provisions of Part IV of these rules.

(2) Vacancies in Grade VI of the Service shall be filled in the following manner :—

(i) 50 per cent of the vacancies shall be filled in accordance with the provisions in Part III of these rules ; and

(ii) 50 per cent of the vacancies shall be filled in accordance with the provisions in Part IV of these rules.

(3) Notwithstanding the provisions contained in sub-rules (1) and (2) above, Government may recruit to any of the grades when so required from other sources, for good and sufficient reasons to be determined in consultation with the Commission, of persons having qualifications or experience in any speciality :

Provided that when such recruitment is made to Grade VI of the Service, the number of persons so recruited shall count against the percentage of vacancies to be filled by direct recruitment.

PART III—RECRUITMENT BY COMPETITIVE EXAMINATION

6. Holding of examination.—(1) A competitive examination for direct recruitment to Grade VI of the Service shall be held at such time and places and in such manner as may be specified in a notice issued by the Commission for this purpose.

(2) Every such notice shall, as far as possible, specify the number of vacancies to be filled on the results of the examination.

7. Combined examination.—If the examination held under this part is a combined competitive examination for the purpose of making appointments to more than one service or post, the following provisions shall apply, namely :—

(a) Any person may apply to be admitted as a candidate for appointment to all or any of the services or posts for which he is eligible. If he wishes to be considered for appointment in more than one service or post, he shall state in his application form the names of the services and posts which he wishes to be considered, only one application form shall be necessary, and one payment of the fees referred to in rule 12 shall be sufficient.

(b) The Government of India in the Department of Personnel and Training shall assign successful candidates to each service or post on a consideration of all circumstances including any personal preferences expressed by the candidates.

8. Application for admission to the Examination.—A candidate shall apply for admission to the examination before such date, in such manner and in such form as the Commission may specify.

9. Nationality.—A candidate must be a citizen of India or he must belong to any of such categories of persons as may, from time to time, be notified by the Government.

10. Age and educational qualifications.—The educational qualifications and the age-limit for direct recruitment to posts in Grade VI of the Service on the results of the Examination shall be as specified in Schedule III.

11. Attempts at the Examination.—No candidate who does not belong to the Scheduled Castes or a Scheduled Tribe or who is not covered by any of the specified exceptions notified by the Government of India in the Department of Personnel and Training, from time to time, shall be permitted to compete more than three times at the Examination.

12. Fee.—A candidate shall pay the fee specified by the Commission, unless exempted therefrom or granted concession thereof in accordance with the exemptions and concessions in this respect notified by the Government of India in the Department of Personnel and Training from time to time.

13. Decisions of the Commission to be final.—The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final ; and no candidate to whom certificate of admission has not been issued by the Commission shall be admitted to the Examination.

14. Penalty for misconduct.—A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of.—

(i) obtaining support for his candidature by any means ; or

(ii) impersonating ; or

(iii) procuring impersonation by any person ; or

- (iv) submitting fabricated documents, or documents, which have been tampered with ; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information ; or
- (vi) resorting to any other irregular, or improper means in connection with his candidature for the examination ; or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall ; or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable,—
 - (a) to be disqualified by the Commission for the examination for which he is a candidate ; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period,—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them ;
 - (ii) by the Government from any employment under them ; and
 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

15. Preparation of list of successful candidates.—(1) After every Examination the names of candidates shall be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified on the basis of examination and interview shall be recommended for appointments upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of Examination.

(2) Candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard, to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service.

(3) If a sufficient number of candidates who are members of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, are not available for filling all the vacancies so reserved, the vacancies not so filled shall be filled by appointing candidates not belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, qualified by the standard specified by the Commission for service and an equivalent number of additional vacancies shall be reserved for candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes to be filled on the results of the next Examination.

(4) If at the Examination, sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes is not available for filling all the

vacancies reserved for them including those carried forward under sub-rule (3) above, the vacancies so remaining unfilled shall be filled by appointing candidates not belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, qualified by the standard prescribed by the commission for the Service, an equivalent number of vacancies shall be carried forward to the next Examination.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (3) and (4) above no vacancies reserved for the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes shall be carried forward to any year of the Examination.—

- (a) to such an extent that the total number of vacancies so carried forward together with the vacancies reserved for candidates who are members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for that year exceeds 50 per cent of the total vacancies in that year ; or
- (b) if such vacancies, which are to be carried forward continuously remained unfilled for a period of three recruitment years :

Provided that in the third year, vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes shall be filled up by the Scheduled Tribes and Scheduled Castes respectively if candidates of respective communities are not available.

16. Enquiry of Character etc.—The inclusion of a candidate's name in the list of successful candidates confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such inquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents is suitable in all respects, for appointment to the Service.

17. Physical Test.—(1) No candidate who, after such physical examination as the Government may specify, is not found to be in good mental or bodily health and free from any mental or physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the Service, shall be appointed to the Service.

(2) The fact that a candidate has been physically examined shall not mean or imply that he shall be considered for appointment.

PART IV—APPOINTMENT BY PROMOTION

18. Appointment by promotion to Grade VI of Service.—(1) Appointment to the vacancies in Grade VI of the Service required to be filled by promotion under sub-rule 2(ii) of rule 5 shall be by promotion of the following categories of Group 'B' officers in the Central Excise, Customs and Narcotics Departments who have completed three years regular service in the Group 'B' posts of,—

- (a) Superintendents of Central Excise in the Central Excise Department and District Opium Officer or Intelligence Officers or Superintendents (Executive) in the Narcotics Department
- (b) Appraisers of Customs in the Customs Department
- (c) Superintendents of Customs (Preventive) in the Customs Department.

(2) (a) The vacancies to be filled by promotion shall be filled in accordance with the common seniority list of the three Group 'B' categories of the officers mentioned in sub-rule (1) above.

(b) The seniority of the officers in Group 'B' feeder categories of service for eligibility for promotion to Group 'A' shall be determined on the basis of their regular length of service in their respective Group 'B' categories, subject to the condition that the inter-se seniority in each feeder category of service shall be maintained.

(3) (a) The promotions shall be made on the principle of selection on merit basis.

(b) The Commission shall be consulted for making promotions to Grade VI.

19. Appointment to Grade V of Service.—(1) Appointment to the vacancies in Grade V of the Service shall be made by promotion of officers in Grade VI of the Service in the order of seniority subject to rejection of the unfit.

(2) Officers, both promotees and direct recruits, appointed to the Grade VI of the Service in accordance with the provisions of these rules shall be considered for regular promotions to Grade V of the Service in running order of their seniority and after completing four years' regular service in Grade VI.

Provided that an officer appointed to the Grade VI of the Service shall not be considered for promotion to Grade V until he has successfully completed the period of probation.

20. Appointment to Grade IV of Service.—(1) Appointment to Grade IV of the Service shall be made by promotion on the principle of selection on merit of officers in Grade V of the Service.

(2) Officers with at least 7 years' combined regular in the Grade V, failing which 9 years' combined regular service in the Grade V and VI taken together shall be eligible for promotion to Grade IV.

21. Appointment to Grade III of Service.—Appointment to Grade III of the Service which is a non-functional selection grade in Grade IV of the Service, shall be by promotion on the basis of seniority subject to rejection of unfit.

Provided that no officer shall be eligible for appointment to Grade III of the Service unless he has reached the maximum of the scale of pay of Grade IV and has remained there for a period of two years.

Provided further that inter-se seniority of officers in Grade IV shall not be changed as a result of their appointment to the non-functional selection grade.

22. Appointment to Grade II of Service.—(1) Appointment to Grade II of the Service shall be made by promotion on the principle of selection on merit of officers in Grade III and IV of the Service.

(2) Officers with at least 7 years' combined regular service in Grades IV and III failing which 16

years' regular service in a Group 'A' post of the Government shall be eligible for promotion to Grade II of the service.

23. Appointment to Grade I of Service.—Appointment to Grade I of the Service shall be made by promotion on the principle of selection on merit of officers of Grade II of the Service.

24. Senior not to be ignored for consideration in promotion if junior is considered.—In the case of promotion all the Grades of Service, if a junior is considered for promotion, the person senior to him shall also be considered for promotion notwithstanding the fact that he has not completed the requisite qualifying service.

25. Appointments to be made on recommendations of Departmental Promotion Committee.—Appointment by promotion to various Grades of the Service as mentioned in rules 18 to 23 of these rules shall be made on the recommendation of the Departmental Promotion Committee and the composition of the Departmental Promotion Committee shall be as specified in Schedule II.

PART V—MISCELLANEOUS

26. Probation and confirmation.—(1) (a) Persons appointed to the Grade VI of the Service by promotion in accordance with the Part IV of these rules shall be on probation for a period of 2 years.

(b) If the work of conduct or both of an officer is found unsatisfactory, the Government may revert him to the post from which he was promoted.

(2) Persons appointed to the Grade VI of the Service by direct recruitment in accordance with the provisions of Part III of these rules shall be on probation for a period of two years which may be extended by the Government in any individual case.

Provided that, save for exceptional circumstances, probation shall not be extended for more than a year and no person shall be kept on probation for more than double the normal period of probation.

(3) The Government may require a person appointed to the Grade VI of the Service to undergo during the period of probation such course of training and to pass such examinations and tests as it may think fit to specify as a condition for satisfactory completion of the probation.

(4) If at any time during the period of probation as referred to in sub-rule (2) of this rule or on its expiration, the Government are of the opinion that a person is not fit for permanent appointment to the Service, he Government may terminate his services or revert him to the post, if any, on which he holds a lien or pass such other orders as they may think fit.

(5) On the completion of the period of probation to the satisfaction of the Government, the person shall, if considered fit for permanent appointment to the Service, be so appointed subject to the availability of permanent vacancies in the Grade.

(6) Persons who have been appointed on probation or in an officiating or temporary capacity to any

post in the Service before these rules come into force, shall be considered for permanent appointment to the post held by them at the commencement of these rules in the order of their inter-se seniority in the post as determined in accordance with these rules irrespective of whether a permanent vacancy arose before the commencement of these rules or arises on a date subsequent to the commencement of these rules.

27. Seniority.—The seniority inter-se in Grade VI of the persons appointed to the Service before the commencement of these rules, shall be as in the list circulated vide letter of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. A-23020/84-Ad. II dated the 12th July, 1984.

(2) The seniority inter-se of the persons appointed to the Service after the commencement of these rules, shall be determined in accordance with the general orders regulating seniority of Government employees issued by the Government from time to time.

28. Residuary Matters.—In regard to matters not specifically covered by these rules or by special orders, the members of the Service shall be governed by the rules, regulations and orders applicable to the Central Civil Service in general.

29. Disqualifications.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service :

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal

law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

30. Liability for transfer.—Officers of the Service shall be liable for transfer anywhere in India or abroad.

31. Power to issue certain orders.—The Government may issue orders, not inconsistent with these rules, to provide for all matters for which provision is necessary or expedient for the purpose of giving effect to these rules.

32. Removal of difficulties.—The Government may, from time to time, issue such general or specific directions as may be necessary to remove difficulties in the operation of any of the provisions of these rules.

33. Interpretation.—Where any doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of these rules, the matter shall be referred to the Government who shall decide the same.

34. Power to relax.—Where the Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

35. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Government from time to time in this regard.

[No. 28/F. No. A-12018/5/75-Ad. II]

R. R. BHARATI, Under Secy.

SCHEDULE-I

[See sub-rule (1) of rule 4].

GRADES, NUMBERS AND SCALES OF PAY OF POSTS INCLUDED IN THE SERVICE

Sl. No.	Grade of the post	Number of posts	Scale of pay (pre-revised)
1	2	3	4
1.	Grade I (Senior administrative Grade level-I)	35	Rs.2500-125/2-2750
2.	Grade II (Senior Administrative Grade Level II)	37	Rs. 2250-125/2-2500
3.	Grade III (Non-functional Selection Grade of Junior Administrative Grade)	231	Rs. 2000-125/2-2250
4.	Grade IV (Junior Administrative Grade)		Rs. 1500-60-1800-100-2000
5.	Grade V (Senior Time Scale)		Rs. 1100-50-1600
6.	Grade VI (Junior Time Scale)		Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300
	(i) Deputation Reserve	40	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300
	(ii) Leave Reserve	41	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300
	(iii) Training Reserve	30	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300
	(iv) Probationary reserve	100	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300

SCHEDULE II

[See Clause (d) of rule 2 and rule 25]

Composition of Departmental Promotion Committee for considering cases of promotion and confirmation to posts included in the various grades of the Service

Sl. No.	Grade	Departmental Promotion Committee for considering promotion		Departmental Promotion Committee for considering confirmation	
1	2	3		4	
1.	Grade I	1. Chairman/Member, UPSC	-Chairman	1. Secretary (Revenue)	-Chairman
		2. Secretary (Revenue)	-Member	2. Chairman (C.B.E.C.)	-Member
		3. Chairman (C.B.E.C.)	Member	3. Two Members* of C.B.E.C.	-Members
		4. Two Members* of C.B.E.C.	Members		
2.	Grade II	1. Chairman/Member, U.P.S.C.	-Chairman	1. Secretary (Revenue)	-Chairman
		2. Secretary (Revenue)	-Member	2. Chairman, C.B.E.C.	-Member
		3. Chairman (C.B.E.C.)	Member	3. Two Members* of C.B.E.C.	-Members
		4. Two Members* of C.B.E.C.	Members		
3.	Grade III	1. Chairman C.B.E.C.	Chairman	1. Chairman (C.B.E.C.)	-Chairman
		2. Two Members* of C.B.E.C.	-Members	2. Two Members* of C.B.E.C.	-Members
4.	Grade IV	1. Chairman/Member, UPSC	-Chairman	1. Chairman, (C.B.E.C.)	-Chairman
		2. Chairman (C.B.E.C.)	Member	2. Two Members* of C.B.E.C.	-Members
		3. Two Members* of C.B.E.C.	-Members		
5.	Grade V	1. Chairman (C.B.E.C.)	-Chairman	1. Chairman (C.B.E.C.)	-Chairman
		2. Two Members* of C.B.E.C.	Members	2. Two Members* of C.B.E.C.	-Members
6.	Grade VI	1. Chairman/Member, U.P.S.C.	Chairman	1. Chairman (C.B.E.C.)	-Chairman
		2. Chairman (C.B.E.C.)	-Member	2. Two Members* of C.B.E.C.	-Members
		3. Two Members* of C.B.E.C.	-Members		

*To be nominated by Chairman, C.B.E.C.

Note 1: The absence of a Member, other than Chairman or a Member of the Commission, shall not invalidate the proceedings of the Committee, if more than half the members of the D.P.C. had attended its meetings.

Note 2: The proceedings of the D.P.C. relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the D.P.C. to be presided over by the Chairman or a Member of Commission shall be held.

SCHEDULE III

(See Rule 10)

Minimum educational qualifications and age-limit for direct recruitment to posts in Grade VI of the Service on the results of the competitive examination

1. A candidate must have a degree of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956) or a foreign University approved by the Government from time to time or possess qualification which has been recognised by the Government for the purpose of admission to the examination.

Note 1: In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the above qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission justifies, his admission to the examination.

Note 2: Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree would also be eligible for admission to the examination.

2. A candidate must have attained the age of 21 years but must not have attained the age of 26 years on the first day of August of the year in which the examination held.